This question paper contains **3** printed pages]

**Roll No.** | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2366**

Unique Paper Code : **2102201201**

Name of the Paper : **Introduction to Indian Philosophy**

Name of the Course : **DSC Philosophy**

Semester : **II**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **90**

*(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)*

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

*Note* : — Answers may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

**टिप्पणी** :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any *five* questions.

*All* questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. Elaborate the core characteristics of Indian Philosophy.

   भारतीय दर्शन की मूल विशेषताओं का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2. Provide a critical exposition of the theory of causation propounded by the *Sānkhya* Philosophy.

   सांख्य दर्शन द्वारा प्रतिपादित कार्य-कारण सिद्धांत की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

3. Discuss the Buddhist theory of *Anātmavāda*.

   बौद्ध दर्शन के अनात्मवाद सिद्धांत की विवेचना कीजिए।

4. Elucidate the notions of *Sat (Brahman)* in the Philosophy of Acharya Śamkara.

   आचार्य शंकर के दर्शन में सत् (ब्रह्म) की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

5. Analyse in detail the role of Perception as Pramāna with reference to Nyāya Darśan.

   न्याय दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष प्रमाण का विस्तारपूर्वक विश्लेषण कीजिए।

6. Explain the nature of inference (Anumana) in Nyāya Darśana.

   न्याय दर्शन में अनुमान के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

7. According to Jain philosophy, what are the metaphysical dimensions of the principle of Anekāntavāda ? Elucidate.

जैन दर्शन के अनुसार अनेकांतवाद सिद्धांत के तात्विक आयाम क्या हैं ? स्पष्ट कीजिए।

8. Write an essay on Asatkāryavāda.

असत्कार्यवाद पर एक निबंध लिखिए।